दैनिक भारत कि
तामीर
संपादक - काज़ी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin
बीड (महाराष्ट्र) वर्ष-२ ला अंक-१०२ वा शनिवार २८ मार्च २०२६ RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 किमत : २ रुपये पन्ने - ४

ईराननें मिसाइलों पर थैंक यू इंडिया लिखकर जताया आभार, सोशल मीडिया पर चर्चा तेज

तेहरान, २७ मार्च २०२६: एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच ईरान द्वारा एक प्रतीकात्मक कदम उठाए जाने का दावा सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान ने इज़राइल की ओर दागे जाने वाले कुछ मिसाइलों पर भारत सहित कई देशों के लोगों के लिए धन्यवाद संदेश लिखे।

बताया जा रहा है कि ईरानी एयरोस्पेस फोर्स के कर्मियों ने लॉन्च से पहले मिसाइलों पर नीले मार्कर से थैंक यू पीपल ऑफ इंडिया (भारत के लोगों का धन्यवाद) लिखा। इसी तरह स्पेन, पाकिस्तान और जर्मनी के लोगों के लिए भी आभार संदेश दर्ज किए गए।

यह घटनाक्रम कथित रूप से ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस ४ के तहत ८३वीं लहर के मिसाइल हमलों के दौरान सामने आया। मुंबई स्थित ईरानी वाणिज्य दूतावास ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द पर वीडियो और तस्वीरें साझा करते हुए दावा किया कि यह संदेश उन देशों के लोगों के समर्थन और एकजुटता के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए लिखे गए थे।

साझा की गई तस्वीरों में कुछ मिसाइलों पर थैंक यू जर्मन पीपल और थैंक यू पीपल ऑफ इंडिया जैसे संदेश स्पष्ट रूप से दिखाई देने का दावा किया गया है। ईरानी मीडिया और अधिकारियों ने इसे वैश्विक स्तर पर जनता के समर्थन के प्रतीक के रूप में पेश किया।

भारतीय मीडिया के कई प्रमुख संस्थानों ने भी इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया। विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम युद्ध के दौरान नैरेटिव वॉर या प्रचार रणनीति का हिस्सा हो सकता है, जिसके माध्यम से ईरान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छवि और संदेश को मजबूत करना चाहता है।

भारत सरकार की ओर से इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। भारत ने अब तक इस पूरे क्षेत्रीय तनाव में संतुलित और तटस्थ रुख बनाए रखा है।

यह घटना २७ मार्च २०२६ को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गई। कुछ विशेषज्ञ इसे दोस्त देशों के लिए संदेश मान रहे हैं, जबकि अन्य इसे सैन्य कार्रवाई के साथ जुड़ी राजनीतिक रणनीति के रूप में देख रहे हैं।

उस्मानाबाद (धाराशिव)-बीड-संभाजी नगर (औरंगाबाद) नए रेलवे मार्ग पर बैठक

संवाददाता: बीड

भारत सरकार की विकास नीति के तहत उस्मानाबाद (धाराशिव)-बीड-संभाजी नगर (औरंगाबाद) को जोड़ने वाला एक नया रेलवे मार्ग प्रस्तावित किया गया है। यह परियोजना क्षेत्रीय और आर्थिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

इस रेलवे मार्ग के शुरू होने से स्थानीय नागरिकों को तेज और सुरक्षित यात्रा की सुविधा मिलेगी। साथ ही औद्योगिक और व्यावसायिक संपर्क में सुधार होगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और सामाजिक विकास के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच बेहतर संपर्क स्थापित होगा।

इस परियोजना के संदर्भ में आज दिनांक २७.०३.२०२६ को बीड के जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें रेलवे विभाग के अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

प्रस्तावित रेलवे मार्ग के लिए बीड जिले के केज, बीड और गेवराई तहसील के कुछ गांवों की निजी जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। इसके साथ ही कुछ स्थानों पर वन विभाग की जमीन, राष्ट्रीय राजमार्ग और नहर क्षेत्र भी इस परियोजना में शामिल होंगे। इन सभी के लिए आवश्यक नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (छजउ) के संबंध में बैठक में विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि सार्वजनिक निर्माण विभाग, संबंधित एजेंसियां और रेलवे विभाग मिलकर एक संयुक्त टीम बनाएं और प्रस्तावित रेलवे मार्ग का सर्वेक्षण जल्द से जल्द पूरा करें।

बीड में हज यात्रियों के लिए तीसरे प्रशिक्षण सत्र का आयोजन ३१ मार्च को

रिपोर्टर

दिनांक: २८-०३-२०२६

मरकज़-ए-खिदमत-ए-हुज्जाज जिला हज कमेटी, बीड की ओर से वर्ष २०२६ में हज यात्रा पर जाने वाले सभी हाजियों के लिए तीसरे प्रशिक्षण (नशिस्त) सत्र का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण उन सभी पुरुष और महिला हज यात्रियों के लिए है जो हज कमेटी या प्राइवेट टूर के माध्यम से यात्रा पर जा रहे हैं।

हज कमेटी बीड पिछले लगभग २५ वर्षों से हाजियों की निःस्वार्थ सेवा करते हुए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती आ रही है, जिससे यात्रियों को हज से संबंधित सभी आवश्यक जानकारी और मार्गदर्शन प्राप्त हो सके।

यह तीसरा प्रशिक्षण सत्र ३१ मार्च २०२६ (मंगलवार), सुबह १०:०० बजे से शाम ५:०० बजे तक अमन फंक्शन हॉल, बार्शी रोड, बीड में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मौलाना शेख अहमद काशफी, मौलाना अब्दुल खय्यूम आबेद कासमी, मौलाना मुफ्ती आरिफ और मौलाना शकील अहमद कासमी हज से संबंधित महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

आयोजकों के अनुसार, इसी दिन हज यात्रियों को टीकाकरण (वैक्सीनेशन) प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा। साथ ही दोपहर के भोजन की व्यवस्था भी की गई है।

हज कमेटी की ओर से सभी यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित समय पर उपस्थित रहें और अपने साथ छोटे बच्चों या अन्य परिजनों को न लाएं। अधिक जानकारी के लिए जिम्मेदार मोहम्मद जमील जे.के. (मो. ९९७०५३२१६८), मोहम्मद शाफे (मो. ९४२२७४४९७४), शेख इरफान (मो. ७०२०५९२३२८) और शेख अखिल (मो. ९८२२३६०२०७) से संपर्क किया जा सकता है।

इस संबंध में जानकारी हज कमेटी के जिम्मेदार मोहम्मद जमील जे.के. द्वारा दी गई है।

भोंदू खरात के बाद वसई में स्वयंभू धर्मगुरु द्वारा महिला पर अत्याचार उजागर; पुलिस की चार टीमें रवाना

जमीर काज़ी

मुंबई:

भोंदू बाबा अशोक खरात के यौन शोषण मामले की चर्चा के बीच अब राज्यभर में ऐसे अन्य ढोंगी बाबाओं के मामले भी सामने आने लगे हैं। वसई के स्वयंभू धर्मगुरु ऋषिकेश वैद्य के खिलाफ पुणे की एक विवाहित महिला से दुष्कर्म करने का मामला दर्ज किया गया है। यह मामला वसई के माणिकपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज हुआ, जिसे बाद में घटना पुणे में होने के कारण मांजरी पुलिस स्टेशन को स्थानांतरित कर दिया गया।

पीड़िता ने शिकायत में बताया कि वैद्य पिछले तीन वर्षों से उसका यौन शोषण कर रहा था और उसके न्यूड फोटो के जरिए उसे ब्लैकमेल करता था।

आरोपी महिला को यह कहकर बहलाता था, मैं महादेव का अवतार हूं, तुम मेरी पार्वती हो, और इसी बहाने उसने पुणे और वसई के विभिन्न होटलों में कई बार उसके साथ दुष्कर्म किया। फिलहाल आरोपी फरार है और उसकी तलाश के लिए पुलिस ने चार टीमें गठित की हैं।

जानकारी के अनुसार, ३५ वर्षीय महिला की पहचान वसई फाउंडेशन के माध्यम से ऋषिकेश वैद्य से हुई थी। फेसबुक के जरिए संपर्क बढ़ने के बाद उसने आध्यात्म का सहारा लेकर महिला का शोषण शुरू किया। पहली बार २०२३ में पुणे के मांजरी इलाके के एक लॉज में उसके साथ दुष्कर्म किया गया और उसके फोटो लेकर उसे ब्लैकमेल किया गया। इसके बाद २०२५ में फिर ब्लैकमेल कर वसई के एक लॉज में उसके साथ दुष्कर्म किया गया।

इस मामले में पुणे क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त निखिल पिंगळे ने बताया, ऋषिकेश वैद्य खुद को महाराज बताकर गलत कृत्य कर रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार टीमें रवाना की गई हैं। यदि किसी और व्यक्ति के साथ भी उसने अत्याचार किया हो, तो वे तुरंत नजदीकी पुलिस स्टेशन में संपर्क करें।

हाजी एजाज देशमुख के परिवार को ५ लाख की सहायता; छात्रवृत्ति योजना की भी घोषणा

सलीम जहाँगीर की पहल; शोकसभा में पंकजाताई मुंडे और जमाल सिद्दीकी समेत कई गणमान्य उपस्थित

बीड (प्रतिनिधि): दिवंगत हाजी एजाज देशमुख, मुंडे साहब के अत्यंत प्रिय कार्यकर्ता थे। अल्पसंख्यक मोर्चा के माध्यम से भारतीय जनता पार्टी के विस्तार में उनका योगदान अविस्मरणीय रहा है। उनके निधन से हमने मुंडे साहब की विचारधारा पर चलने वाला एक सक्रिय और सच्चा कार्यकर्ता खो दिया है - इन शब्दों में राज्य की पशुसंवर्धन एवं पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे ने दिवंगत हाजी एजाज देशमुख को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उन्होंने स्वर्गीय गोपीनाथ मुंडे प्रतिष्ठान की ओर से देशमुख परिवार को ५ लाख रुपये की सहायता देने की घोषणा की। साथ ही, हाजी एजाज देशमुख के नाम से एक छात्रवृत्ति योजना शुरू कर तीन जरूरतमंद बालिकाओं को डॉक्टर बनाने का संकल्प भी व्यक्त किया।

महाराष्ट्र भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महामंत्री सलीम जहाँगीर की पहल पर बीड स्थित होटल गोल्डन चॉइस में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष हाजी एजाज देशमुख की स्मृति में शोकसभा आयोजित की गई।

इस शोकसभा में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय नेता जमाल सिद्दीकी, प्रदेशाध्यक्ष ईद्रीस मुलतानी, पूर्व विधायक संजय केणेकर, डॉ. योगेश क्षीरसागर, महाराष्ट्र राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष समीर काज़ी, वसीम खान, सलीम जहाँगीर, उमेर सलीम, कल्याण आखाडे, वरिष्ठ संपादक काज़ी मकदूम, उर्दू विभाग के कार्याध्यक्ष हसीन अख्तर, प्रो. सुशीलाताई मोराळे, वरिष्ठ नगरसेवक मोईन मास्टर, गटनेता फारूक पटेल, आदित्य सारडा, नवनाथ शिराळे, दिलीप गोरे, एडवोकेट शेख शफीकभाऊ, सैय्यद नवीदुजमा, खुर्शीद आलम, जयतुल्ला खान, नूर लाला सहित विभिन्न दलों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

इस दौरान सभी गणमान्यों ने दिवंगत हाजी एजाज देशमुख को श्रद्धांजलि अर्पित की।

पंकजाताई मुंडे ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि एजाज देशमुख एक शांत स्वभाव के, हमेशा मुस्कुराते रहने वाले और समर्पित कार्यकर्ता थे। उन्होंने अल्पसंख्यक मोर्चा के माध्यम से पार्टी के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके निधन से एक सक्रिय कार्यकर्ता का अभाव महसूस होगा।

शोकसभा में उपस्थित अन्य गणमान्यों ने भी एजाज देशमुख की स्मृतियों को याद करते हुए उनकी निष्ठा और कार्यशैली की सराहना की तथा कहा कि उन्होंने अपने काम के बल पर एक अलग पहचान बनाई थी। उनके लिए सद्गति की प्रार्थना भी की गई।

शाही प्रस्ताव ठुकराने वाले महान खिलाड़ी: मोहम्मद अली किले का चर्चित फैसला

रियाज।

साल १९७८ से जुड़ा एक चर्चित और प्रेरणादायक प्रसंग इन दिनों फिर चर्चा में है, जिसमें विश्वप्रसिद्ध मुक्केबाज मोहम्मद अली द्वारा सऊदी अरब के तत्कालीन शासक शाह खालिद बिन अब्दुलअज़ीज़ की एक भव्य पेशकश को ठुकराने की बात सामने आती है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उस समय मोहम्मद अली अपने करियर के शीर्ष पर थे, लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति उतनी सशक्त नहीं थी। उन्होंने अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा सामाजिक कार्यों और परिवार की सहायता में खर्च किया था। इसी दौरान उन्हें सऊदी अरब में शाही अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

बताया जाता है कि इस मुलाकात के दौरान शाह खालिद ने मोहम्मद अली को एक अत्यंत आकर्षक प्रस्ताव दिया, जिसमें भारी धनराशि, सऊदी नागरिकता, निजी जेट, रियाद में आवास और इस्लाम व सऊदी अरब के वैश्विक प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने का अवसर शामिल था।

हालांकि, मोहम्मद अली ने इस प्रस्ताव को विनम्रता से अस्वीकार कर दिया। उन्होंने अपने निर्णय के पीछे यह तर्क दिया कि उन्होंने इस्लाम को किसी लाभ के लिए नहीं अपनाया है और वे अपनी पहचान एक अमेरिकी मुस्लिम के रूप में बनाए रखना चाहते हैं। उनका मानना था कि वे इसी रूप में पश्चिमी दुनिया और इस्लाम के बीच बेहतर संवाद स्थापित कर सकते हैं।

सूत्रों के अनुसार, मोहम्मद अली के इस फैसले से शाह खालिद भी प्रभावित हुए और उन्होंने उनके सिद्धांतों की सराहना की।

मोहम्मद अली ने अपने जीवनकाल में न केवल खेल जगत में बल्कि सामाजिक और धार्मिक स्तर पर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने मानवाधिकार, समानता और धार्मिक सद्भाव का संदेश दुनिया भर में फैलाया।

बीड के मोमिनपुरा में बड़े नालों की सफाई और चौड़ीकरण कार्य शुरू

रिपोर्टर: काज़ी अमान, बीड

बीड शहर में नगर परिषद के स्वच्छता विभाग द्वारा व्यापक सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत अब मानसून से पहले की महत्वपूर्ण तैयारियों पर भी जोर दिया जा रहा है। हर साल पहली ही बारिश में बड़े नालों के जाम होने और शहर में पानी भरने की समस्या को देखते हुए इस बार पहले से ही बड़े नालों की सफाई की जा रही है।

इसी क्रम में मोमिनपुरा क्षेत्र के बड़े नाले की सफाई और चौड़ीकरण का काम चांदनी चौक से शुरू किया गया है। इस कार्य का निरीक्षण विधायक विजयसिंह पंडित ने किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

इस मौके पर नगराध्यक्षा प्रेमलताबाई पारवे, नगराध्यक्ष प्रतिनिधि शेख मुजीब, उपनगराध्यक्ष विनोद मुळूक, सभापति शेख निजाम और गटनेते खुर्शीद आलम सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

शुक्रवार, २७ मार्च को मोमिनपुरा क्षेत्र से गुजरने वाले बड़े नालों की सफाई और चौड़ीकरण कार्य की औपचारिक शुरुआत की गई। इस दौरान विधायक विजयसिंह पंडित ने नगराध्यक्षा प्रेमलताबाई पारवे के साथ मिलकर कार्य का निरीक्षण किया और स्वच्छता विभाग से शहर की सफाई व्यवस्था की समीक्षा भी की। इस अवसर पर नगरसेवक वाजेद कुरेशी, मनोज गोडसे तथा नगर परिषद के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे।

बीड शहर के सभी ५२ प्रभागों में मिशन ५२ के तहत नियमित और योजनाबद्ध सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत सड़कों, नालों, बाजारों और वार्डों की सफाई की जा रही है। साथ ही रोजाना सफाई अभियान भी जारी है और जमा कचरे को तुरंत हटाया जा रहा है।

नगर परिषद की ओर से नागरिकों से अपील की गई है कि वे कचरा खुले में न फेंककर घंटागाड़ियों में ही डालें। यदि घंटागाड़ी समय पर नहीं आती है, तो नागरिक सीधे स्वच्छता विभाग या मुख्याधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

मानसून पूर्व सफाई कार्यों की शुरुआत के तहत मोमिनपुरा के इस बड़े नाले का काम चांदनी चौक से शुरू होने से स्थानीय नागरिकों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

गुजरात में विवादित यूसीसी लागू करने में जल्दबाज़ी का आरोप

रिपोर्टर: हबीब शेख, अहमदाबाद

गुजरात में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। अल्पसंख्यक समुदाय और कई सामाजिक व राजनीतिक संगठनों का आरोप है कि राज्य सरकार ने बिना पर्याप्त चर्चा और उनकी राय को महत्व दिए बिना इस दिशा में जल्दबाज़ी दिखाई है।

बताया जा रहा है कि अल्पसंख्यक समुदाय की ओर से कई बार विरोध और प्रतिनिधित्व करने के बावजूद, राज्य की भाजपा सरकार ने एकतरफा फैसला लेते हुए यूसीसी लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस मुद्दे पर यह भी विवाद है कि यूसीसी के लिए बनाई गई समिति में अल्पसंख्यक समुदाय का एक भी प्रतिनिधि शामिल नहीं किया गया। इस संबंध में गुजरात हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी, लेकिन अदालत ने उसे खारिज कर दिया।

विभिन्न संगठनों जैसे गुजरात मुस्लिम हित रक्षा समिति, जमात-ए-इस्लामी, जमीयत उलेमा और मुस्लिम मजलिस मशावरत आदि ने नई दिल्ली में यूसीसी समिति के सामने अपने सुझाव और आपत्तियां रखी थीं, लेकिन आरोप है कि उनकी किसी भी सिफारिश को स्वीकार नहीं किया गया।

राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनज़र भी सरकार के इस कदम पर सवाल उठाए जा रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि यूसीसी को जल्दबाज़ी में लागू करने की घोषणा का उद्देश्य समाज में ध्रुवीकरण करना हो सकता है। साथ ही नागरिकों और संस्थाओं के साथ पर्याप्त चर्चा न होने पर भी प्रश्न खड़े किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में १८ फरवरी को नई दिल्ली में यूसीसी के मसौदे पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई ने की। इस बैठक में मसौदे की स्थिति, प्रगति और विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

रंजना देसाई के अनुसार, राज्य में यूसीसी लागू होने से एक प्रगतिशील और समान कानूनी ढांचा बनेगा, जिससे सभी नागरिकों को समान न्याय और अधिकार मिलेंगे। समिति ने अब तक तैयार मसौदे की समीक्षा की, जिसमें विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और गोद लेने जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

समिति ने यह भी कहा कि मसौदा तैयार करते समय सभी समुदायों के हितों को ध्यान में रखा जा रहा है और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। हालांकि, कुछ संगठनों का आरोप है कि उनसे वास्तविक रूप से कोई प्रभावी संवाद नहीं किया गया और वे इस पूरी प्रक्रिया से अनभिज्ञ रहे।

इस मामले को लेकर भविष्य में और विवाद बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। बैठक में समिति के अन्य सदस्य जैसे सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी सी.एल. मीना, अधिवक्ता आर.सी. कोडिकर, पूर्व कुलपति दक्षेश ठाकेर और सामाजिक कार्यकर्ता गीता बेन श्रोफ भी उपस्थित थे।

=

वेरिफिकेशन (सत्यापन):

यह खबर आंशिक रूप से सत्य/मत आधारित (opinion-based) लगती है।यूसीसी पर चर्चा और समितियों का गठन वास्तव में हो रहा है, लेकिन:

जल्दबाज़ी, अल्पसंख्यकों की अनदेखी जैसे दावे आरोप और राय हैं, जिनकी स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक होती है।

अलग-अलग पक्षों (सरकारी संगठन) के बयान शामिल हैं, इसलिए इसे न्यूज़ + ओपिनियन मिश्रण माना जाएगा।

आदित्य पाटिल कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से सदिच्छा मुलाकात

दिल्ली

कांग्रेस के प्रदेश महासचिव आदित्य दादा पाटील ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से सदिच्छा भेंट की और उनका स्वागत किया।

महाराष्ट्र सरकार का बड़ा फैसला: २०११ तक के निवासी अतिक्रमण नियमित करने का जीआर जारी

जमीर काजी, मुंबई

महाराष्ट्र की महायुती सरकार ने राज्य में १ जनवरी २०११ तक हुए और वर्तमान में केवल निवास (रहने) के लिए इस्तेमाल हो रहे अतिक्रमणों को नियमित (नियमानुकूल) करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इस संबंध में महसूल विभाग द्वारा शुक्रवार को शासन निर्णय (जीआर) जारी कर दिया गया है।

मुख्य प्रावधान:

केवल भारतीय नागरिकों के अतिक्रमण ही नियमित किए जाएंगे। किसी भी विदेशी नागरिक का अतिक्रमण नियमित नहीं किया जाएगा। अंमलबजावणी अधिकारी को इसकी सख्ती से जांच करनी होगी।

५०० वर्ग फुट तक के निवासी अतिक्रमण पूरी तरह विनामूल्य (फ्री) नियमित किए जाएंगे।

५०० वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र के लिए बाजार मूल्य का केवल १०% कब्जा हक (जलर्लीरिपलू उहरीसश) के रूप में लिया जाएगा।

नियमित नहीं किए जाने वाले अतिक्रमण:

निम्नलिखित जगहों पर हुए अतिक्रमण किसी भी स्थिति में नियमित नहीं किए जाएंगे:

नदीपात्र

नाले

गायरान भूमि

सार्वजनिक सड़कें

वन क्षेत्र

स्मशानभूमि

खेल के मैदान

स्कूल या अस्पताल के लिए आरक्षित भूमि

ऐसे प्रभावित परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वैकल्पिक घर उपलब्ध कराए जाएंगे।

अन्य महत्वपूर्ण शर्तें और विशेषताएं:

जमीन का पट्टा: पति-पत्नी के संयुक्त नाम पर भोगवटादार वर्ग-२ के रूप में दिया जाएगा।

अधिकतम सीमा: ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में अधिकतम १५०० वर्ग फुट तक का अतिक्रमण ही नियमित किया जाएगा। इससे अधिक क्षेत्र को तोड़ा जाएगा।

यदि घर के कुछ हिस्से का उपयोग व्यवसाय के लिए हो रहा है, तो उस भाग के लिए बाजार मूल्य का २५% शुल्क लिया जाएगा।

निबंधन शुल्क: १००० वर्ग फुट तक के लिए केवल १००० का शुल्क।

पात्रता का प्रमाण:

१ जनवरी २०११ से पहले का निवास प्रमाणित करने के लिए मतदाता सूची, बिजली बिल या मालमत्ता कर रसीद स्वीकार्य होगी।

पिछले १ वर्ष का रहिवास प्रमाण अनिवार्य होगा।

सरकार का उद्देश्य:

इस निर्णय से राज्य के लाखों गरीब और जरूरतमंद परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। उनके जीवन में स्थिरता आएगी और वे कानूनी रूप से अपनी झोपड़ी/घर पर कब्जा रख सकेंगे।

इस संबंध में हर तीन महीने में समीक्षा की जाएगी।

'महाराष्ट्र वुमन एक्सीलेंस अवॉर्ड २०२६' से डॉ. अनिता शिंदे सम्मानित

बीड संवाददाता

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर युनायटेड फाउंडेशन पुणे की ओर से हर वर्ष महाराष्ट्र के विभिन्न १६ क्षेत्रों में प्रत्येक से ५ प्रतिभाशाली महिलाओं को 'महाराष्ट्र वुमन एक्सीलेंस अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाता है। इसी क्रम में इस वर्ष शिक्षा और अनुसंधान क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए के. एस. के. महाविद्यालय की उपप्राचार्य एवं इतिहास विभाग प्रमुख डॉ. अनिता शिंदे को सम्मानित किया गया।ङ्गइस कार्यक्रम में पुणे की महापौर मंजुषाताई नागपुरे, पब्लिक स्पीकर एड. आदिती निटुरे, गौरी निगुडकर, पुलिस उपायुक्त रुक्मिणी गलांडे,

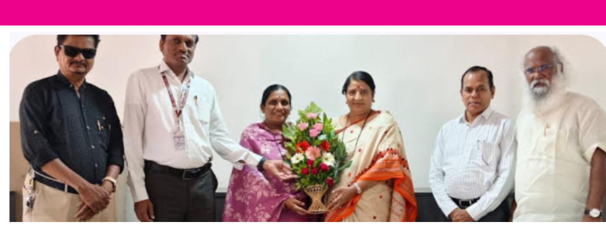

शीतल बियाणी, युनायटेड फाउंडेशन की प्रमुख मायाश्री गायकवाड़, बरखा लाहोटी, शिल्पा खिंवसरा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

डॉ. अनिता शिंदे बीड स्थित प्रसिद्ध सौ. केशरबाई सोनाजीराव क्षीरसागर (काकू) कला, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय में पिछले २० वर्षों से कार्यरत हैं। शिक्षा क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी उनकी सक्रिय भागीदारी रही है। उन्हें उत्कृष्ट शोधपत्र पुरस्कार से ५ बार सम्मानित किया जा चुका है तथा उनके ३५ शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय ने उन्हें 'मराठवाड़ा विश्वविद्यालय नामांतरण आंदोलन में महिलाओं का योगदान' विषय पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उनकी अनुशासित और अध्ययनशील प्रवृत्ति के कारण वे विद्यार्थियों में काफी लोकप्रिय हैं। युनायटेड फाउंडेशन, पुणे द्वारा किए गए इस सम्मान पर सभी स्तरों से उनका अभिनंदन किया जा रहा है।ङ्गनवगण शिक्षण संस्था के सचिव डॉ. योगेश क्षीरसागर, सहसचिव डॉ. दीपाताई क्षीरसागर, कार्यकारी सदस्य डॉ. सारिकाताई क्षीरसागर, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. विश्वंभर देशमाने व डॉ. सुधाकर गुट्टे, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिवानंद क्षीरसागर, उपप्राचार्य डॉ. संजय पाटील, कमवि उपप्राचार्य डॉ. नारायण काकडे, पर्यवेक्षक जालिंदर कोळेकर तथा सभी प्राध्यापकों और शिक्षकेतर कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दी।

नरहरी झिरवाळ के वायरल वीडियो की सत्यता की जांच होगी: मुख्यमंत्री

मुंबई (जमीर काज़ी):

महायुति सरकार में मंत्री नरहरी झिरवाळ का एक कथित अश्लील वीडियो, जिसमें एक तृतीयपंथी के साथ होने का दावा किया जा रहा है, वायरल होने के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। विपक्ष ने उनके इस्तीफे की मांग की है।

हालांकि, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि झिरवाळ ने दावा किया है कि यह वीडियो दो-तीन वीडियो को जोड़कर बनाया गया है। इसलिए इसकी सत्यता की जांच की जाएगी और उसके बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा। वहीं, उनकी पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने भी जांच पूरी होने तक उनका समर्थन करने का फैसला किया है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता और मंत्री नरहरी झिरवाळ का यह कथित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसके आधार पर विपक्षी महाविकास आघाड़ी ने उनके इस्तीफे की मांग की है। इससे पहले अशोक खरात प्रकरण के बाद राज्य सरकार पर दबाव बढ़ा था, और अब इस मामले ने फिर से राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज कर दिए हैं।

इस मामले पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, नरहरी झिरवाळ ने मुझे फोन करके बताया कि यह वीडियो कई क्लिप्स को जोड़कर बनाया गया है, इसलिए इसकी जांच होनी चाहिए। मैंने उन्हें तुरंत शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी है, ताकि इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि की जा सके।

वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस ने भी झिरवाळ के समर्थन में खड़े रहने का निर्णय लिया है। सूत्रों के अनुसार, जब तक जांच पूरी होकर सच्चाई सामने नहीं आती, तब तक पार्टी उनके इस्तीफे की मांग नहीं करेगी।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले जनवरी महीने में मंत्रालय में झिरवाळ के कार्यालय के एक क्लर्क को रिश्वतखोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, जांच में झिरवाळ की कोई भूमिका नहीं पाई गई थी और मुख्यमंत्री ने उन्हें क्लीन चिट दी थी। अब यह नया वीडियो सामने आने के बाद वे फिर से विवादों में घिर गए हैं।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि यह मामला गंभीर है और इसकी पूरी जांच की जाएगी। जांच के बाद उनकी पार्टी की नेता सुनेत्रा पवार और सरकार मिलकर उचित निर्णय लेंगे।

झिरवाळ का वीडियो वायरल

राज्य के मंत्री नरहरी झिरवाळ से जुड़ा एक वीडियो वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो उनके सरकारी निवास का है, जिसमें एक महिला भी दिखाई दे रही है और साथ ही शराब की बोतलें भी नजर आ रही हैं।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com